



लघु परियोजना कार्य

बी0ए0- 23

Minor Project Work

HSC (N)-PR-331

BA-23

Fifth Semester

लघु परियोजना कार्य की रूपरेखा एवं दिशानिर्देश (Guidelines for Learners)

शिक्षार्थियों हेतु दिशानिर्देश

- बी0ए0 पंचम सेमेस्टर में शिक्षार्थियों को एक लघु परियोजना कार्य करना अनिवार्य है। इसके लिये शिक्षार्थी को विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विषय के संकाय सदस्यों से मार्गदर्शन प्राप्त करना होगा। गृह विज्ञान विभाग के संकाय सदस्य ही उक्त परियोजना कार्य में पर्यवेक्षक/ निर्देशक का कार्य करेंगे।
- शिक्षार्थियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने लघु परियोजना कार्य से संबंधित अध्ययन स्वयं करें। नकल किया गया परियोजना कार्य स्वीकार नहीं किया जायेगा।
- परियोजना कार्य में मार्गदर्शन हेतु पर्यवेक्षक/निर्देशक को विश्वविद्यालय नियमानुसार मानदेय देय होगा। इस कार्य हेतु कोई भी अध्ययन केंद्र शिक्षार्थियों से किसी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क नहीं लेगा।
- शिक्षार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने परियोजना कार्य की दो प्रतियाँ तैयार करें जिसमें से एक विश्वविद्यालय हेतु एवं दूसरी शिक्षार्थियों के स्वयं के उपयोग के लिये होगी।
- लघु परियोजना कार्य के प्रथम पृष्ठ पर शिक्षार्थी का नाम, नामांकन संख्या एवं अध्ययन केंद्र का पूरा पता तथा पर्यवेक्षक/ निर्देशक का पूरा नाम लिखित होना चाहिये। इसके साथ पर्यवेक्षक तथा शिक्षार्थी द्वारा हस्ताक्षरित घोषणा पत्र तथा प्रमाण पत्र भी संलग्न होना चाहिये जिसका प्रारूप इस निर्देशिका के अंत में संलग्न है। शिक्षार्थी द्वारा परियोजना कार्य के साथ इन घोषणा पत्रों को भेजना आवश्यक है। बिना संलग्नकों के साथ भेजा हुआ परियोजना कार्य स्वीकार नहीं किया जायेगा।
- परियोजना कार्य को जमा करने के पश्चात परियोजना कार्य से सम्बंधित एक मौखिक परीक्षा ली जायेगी जिसमें शिक्षार्थी की उपस्थिति अनिवार्य होगी।

परियोजना कार्य के उद्देश्य

- परियोजना कार्य के माध्यम से शिक्षार्थी द्वारा स्नातक पाठ्यक्रम से प्राप्त व्यक्तिपरक ज्ञान का व्यवहारिक अनुप्रयोग किया जा सकता है, जिससे छात्र को विषय की स्पष्ट जानकारी प्राप्त होगी।

- इस व्यवहारिक कार्य द्वारा छात्र को अपने क्षेत्र में गृह विज्ञान के विविध विषयों से सम्बंधित कार्यक्रमों/ योजनाओं/लघु उद्योग/ स्वयं के उद्यम आदि के बारे में अधिक विस्तृत जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

परियोजना कार्य की रूपरेखा

शिक्षार्थी द्वारा परियोजना कार्य को निम्न उपखण्डों के अंतर्गत प्रस्तुत किया जा सकता है:

प्रस्तावना: इस खण्ड में शिक्षार्थी को अपने लघु परियोजना कार्य का संक्षिप्त परिचय देना होगा।

उद्देश्य: इस खण्ड में शिक्षार्थी को परियोजना कार्य करने के पश्चात् प्राप्त ज्ञान के संभावित परिणाम के बारे में बताना है।

परियोजना का मुख्य भाग

इस खण्ड की शुरुआत में शिक्षार्थी को स्वयं अध्ययन किए गए शोध विषय की विस्तृत जानकारी देनी होगी। परियोजना कार्य के अंतर्गत अध्ययन किए जा सकने वाले विषय/उपविषय निम्न क्षेत्रों से सम्बंधित हो सकते हैं:

1. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का सर्वेक्षण
2. आंगनबाड़ी/बालवाड़ी केन्द्र
3. किसी बड़े चिकित्सालय का Dietetics विभाग
4. समुदाय में सरकार द्वारा चलाए जा रहे किसी प्रकार के जन-स्वास्थ्य कार्यक्रम, रोजगारपरक कार्यक्रम, महिला अथवा शिशु कल्याण कार्यक्रम, स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में कार्य कर रहे किसी गैर सरकारी/निजी संस्थानों का अध्ययन, खाद्यान्न वितरण योजना का अध्ययन आदि जैसे मध्याह्न भोजन योजना, समन्वित बाल विकास योजना, ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं एवं बच्चों का विकास, किशोरी शक्ति योजना आदि।
5. लघु कुटीर उद्योग
6. स्वयं सहायता समूह
7. एन. जी. ओ.
8. वस्त्र उद्योग
9. खाद्य एवं प्रसंस्करण संस्थान
10. विद्यालय (सरकारी एवं निजी)
11. वृद्धाश्रम/अनाथाश्रम/ दिव्यांगों हेतु संस्थाएं
12. कृषि विज्ञान केंद्र
13. प्रिंटिंग प्रेस
14. विज्ञापन सम्बन्धी संस्थाएं
15. अन्य सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थायें जो सामुदायिक विकास से सम्बंधित हों।

शिक्षार्थी को शोध विषय से संबंधित पूर्व में संग्रहित साहित्य की समीक्षा अथवा एकत्रित साहित्य का समालोचनात्मक मूल्यांकन करना होगा। जैसे शिक्षार्थी यदि खाद्य एवं पोषण विषय के अंतर्गत मध्याह्न भोजन योजना की चर्चा कर रहा है तो वह इससे संबंधित प्रासंगिक साहित्य संग्रहित कर सकता है तथा इस कार्यक्रम का विस्तृत विश्लेषण कर सकता है। तत्पश्चात् किए गए अध्ययन की जानकारी देनी होगी जैसे यह कार्यक्रम कहाँ चल रहा है, किस प्रकार की सेवाएँ प्रदान कर रहा है, कार्यक्रम के उद्देश्य तथा लक्षित समूह कौन से हैं, कार्यक्रम के यदि कोई निर्धारित लक्ष्य हैं तो उनका वर्णन कीजिए तथा कार्यक्रम सरकार के जिस मंत्रालय, विभाग द्वारा पोषित है उसका भी वर्णन करें। इस कार्यक्रम द्वारा सामुदायिक स्तर पर हो रहे प्रभावों/लाभों का विस्तृत वर्णन करें। गृह विज्ञान के अन्य विषयों से सम्बंधित लघु परियोजना कार्य में भी इसी प्रकार प्रस्तावना तथा उपलब्ध साहित्य की समीक्षा करनी होगी।

इस खण्ड में आप परियोजना कार्य से सम्बंधित सरकारी/निजी आंकड़े भी प्रस्तुत कर सकते हैं जिससे प्रभाव अधिक स्पष्ट हो सके।

कार्य के अध्ययन के दौरान तस्वीरें भी लेनी होंगी जिसे अपनी रिपोर्ट में प्रस्तुत करना होगा। कार्यक्रम से संबंधित अन्य उपयोगी जानकारी/आंकड़े भी प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

सारांश

परियोजना कार्य के अंतिम खण्ड को आप सारांश का रूप दे सकते हैं। संपूर्ण अध्ययन कार्य का सार लिखें तथा अपने अनुभवों की विस्तारपूर्वक चर्चा करें। रिपोर्ट के अंत में आप संग्रहित साहित्य की संदर्भ सूची दे सकते हैं तथा आपके कार्य में मदद प्रदान करने वाले व्यक्तियों का आभार व्यक्त कर सकते हैं।

लघु परियोजना कार्य के मुख्य पृष्ठ (Cover Page) का प्रारूप

लघु परियोजना कार्य का शीर्षक

बी0ए0- 23

Minor Project Work

लघु परियोजना कार्य

HSC (N)-PR-331

शिक्षार्थी का नाम

नामांकन संख्या

पर्यवेक्षक का नाम

पद एवं विभाग

तिथि एवं वर्ष

अध्ययन केंद्र का नाम एवं पता

Declaration

*I hereby declare that the minor project work entitled.....
.....
.....(Write the title of the minor project work) submitted by
me for the partial fulfillment of BA-23 to Uttarakhand Open University is my original
work and has not been submitted to any other institution for the fulfillment of the
requirement for any other programme of study. I also declare that no chapter of this
manuscript in whole or in part is lifted and incorporated in this report from any earlier
work done by me or others.*

Signature:

Enrollment No.

Name:

Address:

*.....
.....*

Date:

Place:

Certificate

(To be filled by the supervisor)

*This is to certify that Mr. /Ms.
student of BA-23 from Uttarakhand Open University has done his/her minor project work
under my supervision and guidance. His/ Her minor project work
entitled..... which
he/she is submitting, is his/her genuine and original work.*

Signature:

Name:

Address:

.....

.....

Phone No. and E mail ID:

Date:

Place: